विद्या भारती संकुल संवाद

सा विद्या या विमुक्तये

अक्टूबर 2024 आश्विन-कार्तिक । विक्रमी सं. 2081

पुण्य स्मृति: महान शिक्षाविद् दीनानाथ बत्रा जी

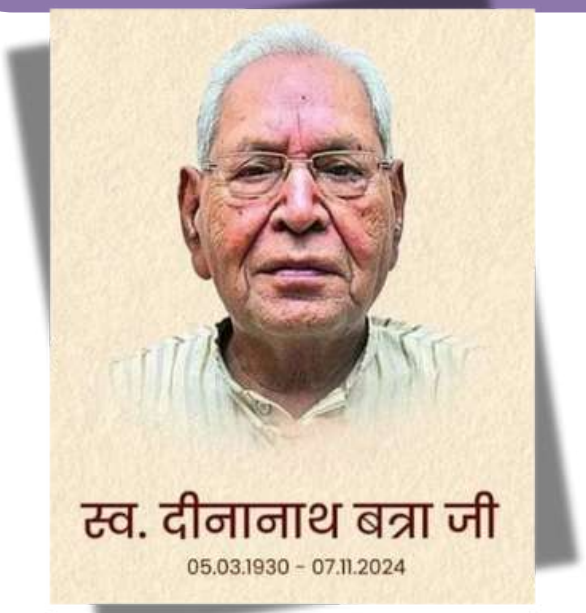

शिक्षा बचाओ आंदोलन के राष्ट्रीय संयोजक एवं महान शिक्षाविद् दीनानाथ बत्रा जी का 94 वर्ष की आयु में 7 नवंबर 2024 को निधन हो गया। उनका जन्म 5 मार्च 1930 को अविभाजित भारत के राजनपुर जिला डेरा गाजी खाँ (अब पाकिस्तान में) में हुआ था। उन्होंने अपने समर्पण, सेवा और शिक्षा के प्रति अटूट आस्था से भारतीय शिक्षा प्रणाली को एक नई दिशा दी। उनका योगदान न केवल विद्या भारती संगठन के लिए, बल्कि पूरे देश के लिए अनुकरणीय और प्रेरणास्पद है। वे वर्ष 1988 से 2004 तक विद्या भारती के अखिल भारतीय महामंत्री रहे। विद्या भारती संकुल संवाद की विनम्र श्रद्धांजलि।

पूर्व छात्र संपर्क एवं पंजीकरण महाभियान

विद्या भारती के महामंत्री श्री अवनीश भटनागर ने पूर्व छात्र परिषद द्वारा 3 अक्टूबर से 12 नवंबर 2024 तक चलने वाले पूर्व छात्र संपर्क एवं पंजीकरण अभियान का उद्घाटन किया। इस महाभियान का उद्देश्य विद्या भारती के पूर्व छात्रों को एकजुट करना और समाज एवं राष्ट्र निर्माण में उनकी भूमिका को और सशक्त बनाना है। हर्ष का विषय है कि पंजीकृत पूर्व छात्रों की संख्या का आँकड़ा 10 लाख पार कर गया है।

35वां अखिल भारतीय खेलकूद समारोह-2024

विद्या भारती का 35वां अखिल भारतीय खेलकूद (एथलेटिक्स) समारोह-2024, 24-27 अक्टूबर तक सरस्वती विद्यापीठ सतना, महाकौशल प्रांत में आयोजित हुआ। विभिन्न खेल विद्याओं में सभी 11 क्षेत्रों के प्रतिभागी शामिल रहे।

पुण्य स्मृति : महान शिक्षाविद् दीनानाथ बत्रा जी

महान शिक्षाविद् दीनानाथ बत्रा जी ने भारतीय शिक्षा प्रणाली को प्रदान की नई दिशा

दीनानाथ बत्रा जी का जीवन और कार्य - शिक्षा के प्रति समर्पण और निष्ठा का संदेश देते हैं। उनका पूरा जीवन शिक्षा के प्रति समर्पित रहा। स्व. बत्रा जी ने गीता विद्यालय कुरुक्षेत्र में प्राचार्य के रूप में अपने कुशल नेतृत्व से उन्होंने विद्यालय को सफलता के शिखर पर पहुंचाया। वे दिन-रात विद्यार्थियों और शिक्षकों की चिंता और उनके विकास के लिए सतत प्रयासरत रहते थे।

पहला ऐतिहासिक प्राचार्य सम्मेलन

दीनानाथ बत्रा जी के नेतृत्व में गीता विद्यालय में देश का पहला अखिल भारतीय प्राचार्य सम्मेलन आयोजित हुआ था। इस सम्मेलन ने देशभर के प्राचार्यों और शिक्षाविदों को एक मंच पर लाकर शिक्षा को नई दिशा और दृष्टिकोण प्रदान किया तथा भारतीय शिक्षा प्रणाली में सुधार और नवीनीकरण के लिए एक सकारात्मक वातावरण तैयार किया।

विद्या भारती में महत्वपूर्ण योगदान

दीनानाथ बत्रा जी वर्ष 1988 से 2004 तक विद्या भारती के अखिल भारतीय महामंत्री रहे। उन्होंने संपूर्ण देश में भ्रमण कर विद्या भारती के विद्यालयों में शिक्षा की गुणवत्ता और संस्कारयुक्त वातावरण को बढ़ावा दिया। उनके प्रयासों से विद्या भारती के विद्यालय बच्चों को सांस्कृतिक और नैतिक शिक्षा प्रदान करने वाले स्थान बने। उनके शैक्षिक योगदान को देखते हुए महामहिम राष्ट्रपति ने उन्हें सम्मानित किया और वे विद्या भारती के प्रथम प्राचार्य बने जिन्हें यह सम्मान प्राप्त हुआ।

लेखन कार्य

दीनानाथ बत्रा जी केवल एक शिक्षक और प्राचार्य ही नहीं थे, बल्कि मौलिक चिंतक एवं लेखक भी थे। उन्होंने शिक्षा के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान देते हुए अनेक पुस्तकें लिखीं। उनकी लिखी पुस्तकों में विद्यालय गतिविधियों का आलय, हमारे राष्ट्र निर्माता, शिक्षा का भारतीयकरण, तेजोमय भारत, प्रेरणादीप, शिक्षा में त्रिवेणी, शिक्षा परीक्षा तथा मूल्यांकन की त्रिवेणी, वैदिक गणित, आचार्य का आचार्यत्व जागे, वीरव्रत परम सामर्थ्य, आत्मवत् सर्वभूतेषु, माँ का आह्वान, पूजा हो तो ऐसी, आदि शामिल हैं। इन पुस्तकों ने शिक्षा के क्षेत्र में नई दिशा और दृष्टि प्रदान की।

विवादित मुद्दों पर वैचारिक संघर्ष

दीनानाथ बत्रा जी ने शिक्षा संबंधित कई विवादित मुद्दों पर वैचारिक संघर्ष भी किया। उनका मानना था कि शिक्षा केवल ज्ञान का माध्यम नहीं है, यह राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। उन्होंने अपने विचारों और सिद्धांतों के लिए सर्वोच्च न्यायालय तक संघर्ष किया। उन्होंने अपने सिद्धांतों पर अडिग रहते हुए इसके माध्यम से शिक्षा प्रणाली में मूलभूत परिवर्तन का प्रयास किया।

शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास की स्थापना

दीनानाथ बत्रा जी ने शिक्षा के उत्थान के लिए 'शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास' की स्थापना की। यह न्यास शिक्षा के क्षेत्र में सुधार और जागरुकता बढ़ाने के लिए समर्पित है। बत्रा जी का यह कदम उनके शिक्षा के प्रति समर्पण का परिचायक है, जो आने वाली पीढ़ियों को प्रेरणा देता रहेगा।

संस्कारयुक्त विद्यालयीन वातावरण पर बल

दीनानाथ बत्रा जी विद्यालयों में संस्कारयुक्त वातावरण की उपादेयता पर सदैव जोर देते रहे। उनका मानना था कि शिक्षा का उद्देश्य केवल ज्ञान अर्जन नहीं, बल्कि छात्रों में नैतिक और सांस्कृतिक मूल्यों का विकास करना भी है। वे चाहते थे कि विद्यार्थी ऐसे वातावरण में शिक्षा ग्रहण करें, जहां उन्हें न केवल शैक्षिक ज्ञान मिले, बल्कि वे भारतीय मूल्यों, संस्कृति और संस्कारों को भी आत्मसात कर सकें। उनके इस विचार ने कई शिक्षण संस्थानों को प्रेरित किया और शिक्षा के प्रति दृष्टिकोण को व्यापक बनाया।

शिक्षा जगत को प्रेरणा और दृष्टि

दीनानाथ बत्रा जी की प्रेरणा, दिशा और दृष्टि सदैव हमारे साथ रहेंगी। उनका योगदान भारतीय शिक्षा प्रणाली के विकास में अविस्मरणीय रहेगा। बत्रा जी का जाना शिक्षा जगत के लिए अपूरणीय क्षति है, लेकिन उनका जीवन और कार्य हमें सदैव प्रेरित करते रहेंगे।

राष्ट्रीय पुरस्कार समेत कई पुरस्कारों से सम्मानित

दीनानाथ बत्रा जी को शिक्षा क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्यों के लिए कई सम्मान एवं पुरस्कार प्राप्त हुए। इनमें प्रमुख रूप से भारत स्काउट्स, हरियाणा में महामहिम राज्यपाल द्वारा 'मेडल ऑफ मेरिट', हरियाणा शिक्षा बोर्ड द्वारा प्रशंसा प्रमाण-पत्र, श्रेष्ठ शिक्षक हेतु सम्मान, अध्यापन के क्षेत्र में राष्ट्रपति द्वारा राष्ट्रीय पुरस्कार,भारत विकास परिषद् हरियाणा उत्तर क्षेत्र द्वारा प्रशस्ति-पत्र, स्वामी कृष्णानंद सरस्वती सम्मान-2010, बीकानेर सम्मान-पत्र, साहित्य श्री सम्मान-2012 आदि शामिल हैं।

भारत मां के चरणों में विसर्जित पुष्प
"स्मृति शेष- अपने हर्ष जी"

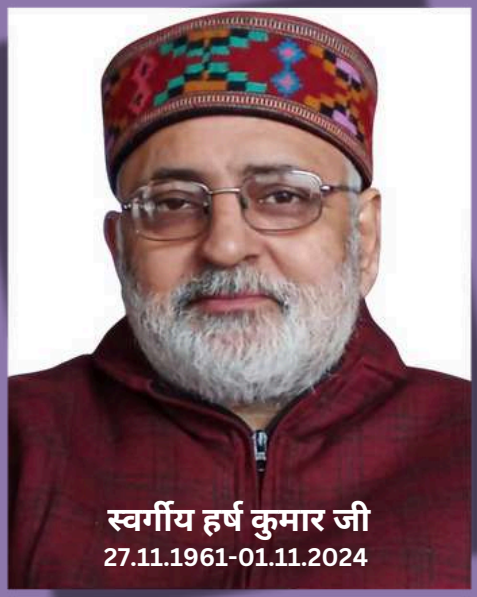

स्वर्गीय हर्ष कुमार जी
27.11.1961-01.11.2024

हर्ष जी का जन्म 27 नवंबर 1961 को दिल्ली के नंगल राया में हुआ था। उनका परिवार वर्तमान पाकिस्तान से आकर सोनीपत हरियाणा में बस गया था और फिर दिल्ली चला आया था। उनके पिता जी श्री वीरेंद्र कुमार आर्य राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के स्वयंसेवक थे और समवैचारिक संगठन 'अखिल भारतीय शिक्षक महासंघ के कार्यकर्त्ता थे। हर्ष जी के दादा जी स्वतंत्रता सेनानी थे। हर्ष जी को बचपन से ही देश, समाज, धर्म और भारत माता के लिए कुछ करने की प्रेरणा विरासत में मिली थी। घर के पास ही संघ की शाखा लगती थी और वहीं से शाखा में जाना प्रारम्भ हुआ। शाखा में उनको पहला दायित्व ध्वज प्रमुख के नाते मिला। हर्ष जी सायं शाखा के गण शिक्षक, मुख्य शिक्षक, विस्तारक, जिला प्रचारक आदि अनेक दायित्वों पर रहे।

प्रचारक जीवन

हर्ष जी ने आईटीआई दिल्ली से मैकेनिकल की पढ़ाई की और उसके बाद हैदराबाद में इंटर्नशिप मिली, लेकिन 1984 के दंगों के पश्चात उन्होंने फैसला किया कि उनकी जरूरत पंजाब में है। यह सोचकर उन्होंने लुधियाना में इंटर्नशिप की और वहां रहकर संघ का कार्य भी किया। हर्ष जी ने हरियाणा के चरखी दादरी से अपना प्रचारक जीवन शुरू किया। वे हरियाणा के काला अंब और नारायणगढ़ में भी प्रचारक रहे। बाद में किसी कारण से उनको प्रचारक जीवन से वापस आना पड़ा। कुछ समय महाशय चुन्नीलाल सरस्वती बाल मंदिर, हरि नगर, दिल्ली में अध्यापन कार्य किया और बाद में 1990 के आतंकवाद के समय जम्मू के राजौरी, पुंछ में प्रचारक के रूप में फिर से कार्य प्रारम्भ किया। इसके पश्चात वे विद्या भारती में जम्मू-कश्मीर, हरियाणा और असम के प्रांत संगठन मंत्री रहे।

हर्ष जी ने 2010 से 2024 तक विद्या भारती उत्तर क्षेत्र के प्रशिक्षण एवं सेवा शिक्षा प्रमुख का दायित्व निर्वहन किया। उनका केंद्र विद्याधाम, जालंधर में रहा।

सुलझे हुए प्रशिक्षक

श्रद्धेय हर्ष जी बहुआयामी व्यक्तित्व के धनी थे और औषधियों के भी अच्छे जानकार थे। हमेशा कुछ नया सीखने की कोशिश करते थे। उन्हें कंप्यूटर और सॉफ्टवेयर टूल्स की भी अच्छी जानकारी थी। वे डॉक्यूमेंट्री और फिल्मों से खुद क्लिप काटकर प्रशिक्षण में प्रयोग करते थे। हर्ष जी एक सुलझे हुए प्रशिक्षक भी थे। उनके द्वारा विषय और कार्य पद्धति को सरलता व गहराई से कार्यकर्ताओं को समझाना विद्या भारती में सदैव स्मरण किया जाता रहेगा। स्वयंसेवकों की समस्याओं का समाधान करना भी उन्हें अच्छे से आता था। हर्ष जी जब छोटे थे तब हकलाते थे। उनकी माता जी उनको प्यार से कहती थीं कि तुम तो बहुत हकलाते हो और बात भी स्पष्ट नहीं कर सकते। इस पर हर्ष जी कहा करते थे कि माँ देखना एक दिन आपको मुझ पर गर्व का अनुभव होगा। जब हर्ष जी की माता जी ने अंतिम संस्कार के समय कार्यकर्ताओं का एकत्रीकरण और उनकी नम आँखें देखीं तो उन्होंने हर्ष जी की कही हुई बात को याद करते हुए सन्तोष होने का भाव व्यक्त किया।

मातृभूमि की सेवा

'मन समर्पित, तन समर्पित और यह जीवन समर्पित, चाहता हूं देश की धरती तुझे कुछ और भी दूं।' हर्ष जी जीवन भर तन मन से मातृभूमि की सेवा में रत रहे। 'मातृभूमि तुझे कुछ और भी दूं' इन वाक्यों को सार्थक करने के लिए शरीर मृत्यु के पश्चात भी 'सेवा' में लगे, इसलिए उन्होंने अपने शरीर को 'दधीचि देहदान समिति' को देने की प्रतिज्ञा ली थी और परिवार ने उनकी यह प्रतिज्ञा उनके जाने के बाद पूर्ण भी की।

विद्या भारती संकुल संवाद का उनकी पुण्य समृति को नमन।

ॐ शान्तिः शान्तिः शान्तिः

सेवा प्रकल्प
यशवंत बाल संस्कार केंद्र

किलबिल अकादमी, रावेर (शिशु वाटिका) देवगिरी प्रांत

विद्या भारती देवगिरी प्रांत शिक्षा संस्थान से संलग्नित किलबिल अॅकॅडमी, शिशु वाटिका 14 साल से रावेर शहर में कार्यरत है। 7 साल पहले विविध कारणों से स्कूल न जा पाने वाले बच्चों के लिए यशवंत बाल संस्कार केंद्र शुरू किया गया था।

शुरुआत में बच्चे डरते थे और अपने घरों से बाहर नहीं निकलते थे और निकले भी तो ज्यादा देर तक नहीं रुकते थे। फिर तय किया कि उन्हें उनके सुरक्षित क्षेत्र से बाहर नहीं निकाला जाएगा बल्कि उनमें उनका पसंदीदा केंद्र शुरू किया जाएगा। इस निर्णय के तहत झोपड़ियों में खुली जगह पर जाकर सुंदर रंगोली बनाना और वहां बैठना एक दिनचर्या बन गई। धीरे-धीरे बच्चे आकर बैठने लगे, फिर उनका खेल देखकर दूसरे बच्चे भी आने लगे। इसके बाद बच्चों को कपड़े उपलब्ध कराने के लिए यशवंत प्रतिष्ठान, रावेर ने कपड़ा बैंक शुरू किया, किया, जिसमें किलबिल स्कूल के अभिभावक अपने बच्चों के पुराने कपड़े, खिलौने और अन्य सामग्री जमा करते थे। इन कपड़ों और सामग्री का वितरण बच्चों को किया जाता था।

इसके बाद यशवंत प्रतिष्ठान,रावेर द्वारा "पोळी भाजी" (रोटी-सब्जी) केंद्र शुरू किया गया। कई लोगों ने इसमें मदद की और तब बच्चों के लिए भोजन की व्यवस्था हो सकी। अब बच्चे अच्छे से पढ़ने-लिखने लगे। बाद में कोविड के दौरान और ज्यादा मेहनत करनी पड़ी। धीरे-धीरे श्रमिकों की ये बस्ती परियोजना नहीं रही, बल्कि परिवार बन गई।

इन बच्चों के साथ दही हांडी, दशहरा, दिवाली उत्सव, गुडीपड़वा आदि त्योहारों पर परिवार की तरह संतुष्टि मिलती है। जिस गांव में यह सेवा प्रकल्प चलाया जा रहा है, उस खदान के मालिक श्री राजेंद्र चौधरी, श्रीमती रेखाताई चौधरी, विद्या भारती परिवार, श्री सुशील भाऊ वाणी आदि ने इसमें मदद की है।

पूर्व छात्र संपर्क एवं पंजीकरण महाभियान

विद्या भारती के पूर्व छात्र
https://forms.gle/fy4KRzJnnC4c3tau5
पोर्टल पर पंजीकरण कर सकते हैं।
हर्ष का विषय है कि पंजीकृत पूर्व छात्रों की संख्या का आँकड़ा 10 लाख पार कर गया है।

विद्या भारती के महामंत्री श्री अवनीश भटनागर ने पूर्व छात्र परिषद द्वारा 3 अक्टूबर से 12 नवंबर 2024 तक चलने वाले पूर्व छात्र संपर्क एवं पंजीकरण अभियान का उद्घाटन किया। इस महाभियान का उद्देश्य विद्या भारती के पूर्व छात्रों को एकजुट करना और समाज एवं राष्ट्र निर्माण में उनकी भूमिका को और सशक्त बनाना है। इस अवसर पर अवनीश भटनागर जी ने बताया कि विद्या भारती के पूर्व छात्र दुनियाभर में सक्रिय हैं और अपने-अपने क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं। यह संपर्क महाभियान वास्तव में विद्यालय में मिले संस्कारों को समाज में प्रकट करने का सुअवसर प्रदान करने वाला अभियान है।

इस महाभियान के तहत उन सभी पूर्व छात्रों को एक साथ लाना है जो किसी कारणवश संगठन से दूर हो गए थे। जो पूर्व छात्र पहले से संपर्क में हैं, उनसे संबंधों को और प्रगाढ़ करना, और जो सक्रिय हैं, उन्हें राष्ट्रहित के कार्यों में और अधिक समर्पित करना इस अभियान की प्राथमिकता है। विद्या भारती पूर्व छात्र परिषद आज विश्व का सबसे बड़ा पूर्व छात्र संगठन बन गया है। यह संगठन न केवल भारत बल्कि 70 से अधिक देशों में अपनी उपस्थिति दर्ज करा चुका है।

इस अभियान में रामायण धारावाहिक में प्रभु श्रीराम की भूमिका निभाने वाले और वर्तमान में मेरठ के सांसद श्री अरुण गोविल भी पूर्व छात्र के रूप में शामिल हुए। आनलाइन आयोजित किए गए इस अभियान में देशभर से पूर्व छात्र, प्राचार्य, आचार्य, समिति महानुभाव एवं विद्या भारती के पदाधिकारी व कार्यकर्ता शामिल रहे।

विद्या भारती के पूर्व छात्र डॉ. ज्वाला प्रसाद को ऑक्सफोर्ड में महात्मा गांधी लीडरशिप अवार्ड

बेतिया शहर के सरस्वती विद्या मंदिर बरवतसेना के पूर्व छात्र डॉ. ज्वाला प्रसाद को ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी में महात्मा गांधी लीडरशिप अवार्ड से सम्मानित किया गया है। इस अवसर पर लंदन के मेयर, कोलंबिया की मिस वर्ल्ड, ऑस्ट्रेलिया के न्यायाधीश, सेशेल्स के पर्यटन मंत्री, ऑक्सफोर्ड के मेयर सहित करीब 50 देशों के गणमान्य लोग उपस्थित रहे। इसके पूर्व बागेश्वरधाम सरकार धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री व गोपाल दास गौर को इस सम्मान से सम्मानित किया गया है। डॉ. ज्वाला प्रसाद केंद्रीय संस्कृति मंत्रालय के अधीन स्वायत्त संस्था गांधी स्मृति एवं दर्शन समिति के निदेशक हैं। उनके मार्गदर्शन में पिछले वर्ष भारत सरकार द्वारा चलाए गए कैंपेन-3 ओ अभियान में संस्कृति मंत्रालय के अंतर्गत कार्यरत टॉप 10 विभागों में गांधी स्मृति एवं दर्शन समिति को स्थान मिला था। इस संस्थान के अध्यक्ष प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी व उपाध्यक्ष श्री विजय गोयल हैं।

सरस्वती विद्या मन्दिर कटराईं कुल्लू में श्री गोबिन्द चन्द्र महंत का प्रवास

सरस्वती विद्या मन्दिर कटराईं कुल्लू में 22 अक्टूबर को विद्या भारती के अखिल भारतीय संगठन मंत्री श्री गोबिन्द चन्द्र महंत, विद्या भारती उत्तर क्षेत्र के संगठन मंत्री श्री बाल किशन, प्रांतीय संगठन मंत्री श्री ज्ञान सिंह व हिमाचल शिक्षा समिति के महामंत्री श्री सुरेश कुमार कपिल का प्रवास रहा।

जन शिक्षण संस्थान शिमला का तृतीय कौशल दीक्षांत समारोह

हिमाचल | विद्या भारती एवं हिमाचल शिक्षा समिति के मार्गदर्शन व कौशल विकास एवं उद्यमिता मंत्रालय भारत सरकार द्वारा संचालित जन शिक्षण संस्थान शिमला का तृतीय कौशल दीक्षांत समारोह सरस्वती विद्या मन्दिर हिम रश्मि परिसर विकासनगर शिमला में आयोजित किया गया। इस दौरान प्रशिक्षण पूर्ण करने वाले प्रतिभागियों को केंद्रीय कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय द्वारा प्रमाणपत्र प्रदान किए गए। इस अवसर पर तिलक राज शर्मा प्रदेश अध्यक्ष भारतीय जनता युवा मोर्चा हिमाचल प्रदेश, हिमाचल शिक्षा समिति एवं जन शिक्षण संस्थान शिमला एवं मण्डी के अध्यक्ष मोहन केस्टा, हिमाचल शिक्षा समिति प्रान्त कार्यकारिणी सदस्य एवं जन शिक्षण संस्थान शिमला के उपाध्यक्ष श्री कुशल शर्मा, जे. एस. एस. शिमला के सदस्य श्री गुलाब सिंह, जन शिक्षण संस्थान शिमला की निदेशक मंजुला अत्री जी आदि उपस्थित रहे।

मिनी साइंस सेंटर का उद्घाटन

जबलपुर। सरस्वती शिशु/उच्च माध्यमिक विद्यालय गंगानगर, गढ़ा, जबलपुर में मिनी साइंस लेब का शुभारंभ किया गया। गेल इंडिया के सीएसआर मद (CSR Mad) से जबलपुर में 10 सेंटर स्थापित होने हैं। इसका पहला मिनी साइंस सेंटर गंगानगर विद्यालय में स्थापित हुआ है जो बच्चों को फिजिक्स, केमिस्ट्री, बायोलॉजी आदि के ज्ञानार्जन के साथ लाइव मॉडल के माध्यम से जिज्ञासाओं का समाधान करने में सहायक होगा। इस अवसर पर विद्या भारती के क्षेत्र संगठन मंत्री डॉ. आनंद राव, प्रांत संगठन मंत्री अमित दवे, गेल इंडिया के स्वतंत्र निदेशक सीए अखिलेश जैन, प्रांत सचिव डॉ. सुधीर अग्रवाल, ईश्वर दास पटेल, जिला सचिव विवेक चौधरी एवं गढ़ा शिक्षा समिति के अध्यक्ष लोकराम कोरी, उपाध्यक्ष सिद्धार्थ शुक्ला, सचिव/व्यवस्थापक गीतेश सिंह ठाकुर, सह-

सचिव संदीप बाथरे, कोषाध्यक्ष चेतराम चौधरी, सदस्य कृष्ण कुमार ऊमरे एवं विभाग समन्वयक भास्कर वडनेरकर आदि उपस्थित रहे।

35वां अखिल भारतीय खेलकूद (एथलेटिक्स) समारोह-2024

सतना। विद्या भारती का 35वां अखिल भारतीय खेलकूद (एथलेटिक्स) समारोह-2024, 24-27 अक्टूबर तक सरस्वती विद्यापीठ सतना, महाकौशल प्रांत में आयोजित हुआ। विभिन्न खेल विद्याओं में सभी 11 क्षेत्रों के प्रतिभागी शामिल रहे। प्रतियोगिता के बाल वर्ग में 91 भैया और 85 बहनें, किशोर वर्ग में 158 भैया और 133 बहनें, तरुण वर्ग में 171 भैया और 132 बहनों सहित कुल 770 खिलाडी भैया-बहिनों ने प्रतिभाग किया।

खेल प्रतियोगिताओं के साथ ही संचलन, अनुशासन, गीत और वंदना प्रतियोगिता भी सम्पन्न हुई। अभिवादन संचलन प्रतियोगिता में प्रथम स्थान मध्य क्षेत्र को जबकि द्वितीय स्थान पूर्वी उत्तर प्रदेश और तृतीय स्थान बिहार क्षेत्र को मिला। वन्दना प्रतियोगिता में पूर्वी उत्तर प्रदेश क्षेत्र प्रथम, उत्तर क्षेत्र द्वितीय और राजस्थान क्षेत्र तृतीय स्थान पर रहा। गीत संचलन में पूर्वी उत्तर प्रदेश क्षेत्र पहले, राजस्थान क्षेत्र दूसरे और मध्य क्षेत्र तीसरे स्थान पर रहा। वहीं, अनुशासन में पूर्वोत्तर क्षेत्र ने पहला, पूर्व क्षेत्र ने दूसरा और पूर्वी उत्तर प्रदेश क्षेत्र ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। समारोह का उद्घाटन मध्य प्रदेश के उपमुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ला ने किया। इस अवसर पर विद्या भारती के सह संगठन मंत्री श्री यतीन्द्र कुमार शर्मा, कुश्ती में ओलम्पिक पदक विजेता श्री योगेश्वर दत्त, सतना के सांसद श्री गणेश सिंह आदि उपस्थित रहे।

समापन समारोह में मुख्य अतिथि मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने विद्यापीठ सतना में सिंथेटिक ट्रैक के निर्माण के लिए 7 करोड़ रुपये प्रदान करने की घोषणा की। इस अवसर पर श्री श्रीराम आरावकर सह सगंठन मंत्री विद्या भारती, श्रीमती प्रतिमा बागरी, शहरी एवं आवास विकास राज्य मंत्री और श्री योगेश ताम्रकार, महापौर सतना आदि उपस्थित रहे। खेलकूद परिषद के संयोजक श्री मुखतेज सिंह बदेशा ने आभार व्यक्त किया।

विद्यालय के लिए भूमि पूजन, जयपुर

जयपुर। चाकसू में भव्य ओर अत्याधुनिक सुविधायुक्त नवीन विद्यालय की नींव रखी गई है। अमेरिका में रह रहे प्रवासी भारतीय श्री नन्द तोदी के सहयोग से निर्मित होने वाले तोदी आदर्श विद्या मंदिर चाकसू का भूमि पूजन माननीय तोदी जी के बहनोई रमेश जी ने किया।

9 वें राष्ट्रीय आयुर्वेद दिवस के उपलक्ष्य मे चिकित्सा शिविर

विद्या भारती उत्तर बंग अन्तर्गत अखिलेश्वर दास सरस्वती शिशु मन्दिर, सामसी, मालदा में 9वें राष्ट्रीय आयुर्वेद दिवस पर स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। इस अवसर पर नि:शुल्क स्वास्थ्य जाँच कर दवाओं का वितरण किया गया। इसके साथ ही चिकित्सकों को सम्मानित भी किया गया।

उपलब्धियां

ओपीएससी (ओडिशा लोक सेवा आयोग) परिणाम

शिक्षा विकास समिति ओडिशा प्रान्त के पूर्व विद्यार्थियों ने OPSC मे स्थान प्राप्त कर विद्या भारती का नाम रोशन किया।

विद्या भारती अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान

प्रज्ञा सदन

जी.एल.टी. सरस्वती बाल मंदिर परिसर, नेहरू नगर, महात्मा गांधी मार्ग, नई दिल्ली - 110065

@VidyaBharatiIN

www.vidyabharti.net www.vidyabharatisamvad.com

Email : vbabss@yahoo.com | vbsamvad@gmail.com

Contact Us : 91 - 11 -29840013, 29840126, 20886126

सेवा में ,